Assignment-I इमानुएल-स्कूल मोतिहारी

कक्षा - VIII (Rajlakshmi Pandey)

विषय - संस्कृत व्याकरण

पाठ-2 (वर्ण-विचार) पेज-(3 से 7)

(अभ्यास)

प्रश्न 1. वर्ण की परिभाषा उदाहरण के साथ लिखें।

उत्तर :- वर्ण :- शब्दों की वह इकाई है, जिससे शब्दों का निर्माण होता है, परन्तु उसका खण्ड नहीं होता है, उसे वर्ण या अक्षर कहते हैं। जैसे — मनोज शब्द में म्, अ, न्, ओ, ज्, अ तथा विज्ञान में व्+इ+ज्+ञ्, आ+न्+अ वर्ण हैं।

प्रश्न 2. वर्णों को मुख्यतः कितने भागों में बाँटा गया है? उनकी परिभाषा उदाहरण के साथ लिखें।

उत्तर :- वर्णों को मुख्यतः दो भागों में बाँटा गया है। 1. स्वर वर्ण
2. व्यंजन वर्ण

Scanned with CamScanner

डम्मानुल्ला - स्कूल, मोतिहारी

Assignment-I

कक्षा – VIII

(Raj Kishore Pandey)

(1) स्वर वर्ण :— जिन वर्णों के उच्चारण में किसी दूसरे वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती है, उसे स्वर वर्ण कहते हैं। जैसे — अ, आ, इ, ई आदि

(2) व्यंजन वर्ण :— जिन वर्णों के के उच्चारण में प्रायः स्वरों की सहायता ली जाती है उसे व्यंजन वर्ण कहते हैं। जैसे — क, ख, च, प आदि।

प्रश्न 3. स्पर्श, अन्तःस्थ तथा ऊष्म व्यंजन के दो-दो उदाहरण लिखें।

उत्तर —(I) स्पर्श व्यंजन — क, प

(II) अन्तःस्थ — य, र

(III) ऊष्म व्यंजन — श, ष

प्रश्न :- 4. संस्कृत में व्यंजनों तथा स्वरों की संख्या बतलाएँ।

उत्तर — संस्कृत में स्वर तेरह (13) होते हैं और व्यंजन 33 होते हैं।

Scanned with CamScanner

Assignment – I इमानुएल स्कूल गोविन्दपुरी
कक्षा – VIII (Rajlakshmi Pandey)
विषय – संस्कृत व्याकरण

प्रश्न 5. निम्नलिखित का उच्चारण स्थान बताइए —

अ, क, प, य, व ए ।

		उच्चारण स्थान
उत्तर —	अ —	कण्ठ
	क —	कण्ठ
	प —	ओष्ठ
	य —	तालु
	व —	दन्त + ओष्ठ
	ए —	कंठ + तालु

6. प्रश्न – क्ष, त्र, ज्ञ की गणना क्यों नहीं की गई है? लिखें।

उत्तर – क्ष, त्र, ज्ञ संयुक्ताक्षर हैं जिनका मूलरूप क्रमशः क् + ष = क्ष, त् + र = त्र एवं ज् + ञ = ज्ञ है इसीलिए इनकी गणना अलग से नहीं की गई है।

Scanned with CamScanner

Assignment-II इम्मानुएल-स्कूल गोतिहारी
कक्षा - VIII (Rajlakshmi Pandey)
विषय - संस्कृत व्याकरण
पेज - (8 से 20)
(अभ्यास)

प्रश्न 1. संधि किसे कहते हैं? संधि के कितने भेद होते हैं? सोदाहरण लिखें

उत्तर :- संधि :- जब दो या दो से अधिक वर्ण आपस में मिलते हैं, उसे संधि कहते हैं। जैसे -

हिम + आलयः = हिमालयः
दिक् + गजः = दिग्गजः
आदि।

संधि के तीन भेद होते हैं -

1. स्वर संधि -
(II) व्यंजन संधि
(III) विसर्ग संधि

(I) स्वर संधि - स्वर वर्णों के साथ स्वर वर्णों के मेल को स्वर संधि कहते हैं। जैसे - सदा + एव = सदैव आदि।

Scanned with CamScanner

इम्मानुएल - स्कूल मोतिहारी

Assignment - II कक्षा - VIII (Rajlakshmi Pandey)

विषय - संस्कृत व्याकरण

पेज - (8 से 20)

(अभ्यास)

(ii) व्यंजन संधि :- व्यंजन वर्णों के साथ स्वर या व्यंजन वर्णों का मेल होता है तो व्यंजन संधि कहते हैं,

जैसे — दिक् + अम्बर: = दिगम्बर: ,
जगत् + नारायण = जगन्नारायण आदि।

(iii) विसर्ग संधि :- विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन वर्ण हो और दोनों का मेल हो तो विसर्ग संधि कहते हैं।

जैसे — नि: + विकार: = निर्विकार:
नि: + रोग: = नीरोग: आदि।

Scanned with CamScanner

Assignment – II इम्मानुएल - स्कूल भोतिहारी CLASSMATE
कक्षा — VIII (Rajlakshmi Priya)

प्रश्न 3. संधि करे —

हिम + अद्रिः =

हरि + इच्छा =

तथा + एव =

नौ + इकः =

भो + अनम =

प्रश्न - 4. विच्छेद करे —

पवनम् =

सीमन्ता : =

नायक : =

नायनाम् =

भावनाम् =

गायक =

भावुकः =

अध्यापक : =

अध्ययनम् =

अत्याचार =

Scanned with CamScanner

Assignment - III   अध्यापिका - सुरता गीतिशाली

कक्षा - VIII   (Prof. Lakshmi Pandey)

विषय - संस्कृत व्याकरण

शब्द - रूपावली :
देव, मुनि, लता, मति, नदी।

धातु - रूपावली -
भू, पठ्, अस्, गम्, स्था।
(पाँचों लकारों में)

गणना - 1 से 100

अनुच्छेद - 1. अस्माकं देशः
2. बिहार राज्यम्

Assignment-IV इम्मानुएल-स्कूल मोतिहारी
कक्षा - VIII (Rajlakshmi Kumari)

विषय - संस्कृत व्याकरण

पाठ - 6. सुवन्त और तिङन्त - वचन, विभक्ति, कारक, लिङ्ग, पुरुष, काल, लकार।

पेज-(37 से 41)

1 प्रश्न :- वचन की परिभाषा तथा भेद उदाहरण के साथ लिखें।

उत्तर :- वचन :- जो संख्या का बोध कराए, उसे वचन कहते हैं। जैसे - बालकः अश्वौ, गजाः आदि

संस्कृत में वचन तीन प्रकार के होते हैं। 1 एकवचन (II) द्विवचन (III) बहुवचन

(I) एकवचन — जिससे एक व्यक्ति, वस्तु आदि का बोध हो उसे एकवचन कहते हैं। जैसे — सुता, नरः, पुष्पम् आदि।

Assignment-IV इम्मानुएल - स्कूल मोतिहारी
कक्षा - VIII (Rajlakshmi Pandey)

विषय - संस्कृत व्याकरण

अभ्यास

पाठ - 6 पेज - 37

प्रश्न 1.
उत्तर (II) द्विवचन :— जिससे एक साथ दो व्यक्ति, वस्तु आदि का बोध हो, उसे द्विवचन कहते हैं। जैसे — नरौ, महिले, पुष्पे, बालिके आदि।

(III) बहुवचन — जिससे एक साथ दो से अधिक व्यक्ति, वस्तु, आदि का बोध हो उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे — बालिकाः बालकाः, पुष्पाणि, सुताः आदि।

प्रश्न 2. संस्कृत में कुल कितने लकार हैं? कौन - कौन ?

उत्तर संस्कृत कूल 10 लकार होते हैं, लेकिन व्यवहार में पाँच (5) लकार ही आते हैं। लट्, लोट्, लृट्, लङ् और विधिलिंग।

Scanned with CamScanner

Assignment - IV

इम्मानुएल - स्कूल मोतिहारी
(Rajlakshmi Pandey)

कक्षा - VIII

विषय - संस्कृत व्याकरण

पाठ - 6 पेज - 39

प्रश्न 3. लिङ्ग की परिभाषा तथा भेद उदाहरण सहित लिखें।

उत्तर :- लिङ्ग :- जिससे पुरुषत्व, स्त्रीत्व और नपुंसकत्व का ज्ञान हो उसे लिङ्ग कहते हैं। जैसे — मनुष्य:, महिला पुष्पाणि आदि।

संस्कृत में लिङ्ग तीन होते हैं।

(I) पुल्लिङ्ग (II) स्त्रीलिङ्ग (III) नपुंसकलिंग

(I) पुल्लिंग :- जिससे पुरुष जाति का बोध हो उसे पुल्लिंग कहते हैं। जैसे - नर:, बालक:, अश्व: आदि।

(II) स्त्रीलिङ्ग :- जिससे स्त्री जाति का बोध हो उसे स्त्रीलिंग कहते हैं। जैसे — बालिका, महिला, लता आदि।

Scanned with CamScanner

Assignment - IV इम्मानुएल-स्कूल मोतिहारी

कक्षा- VIII (Rajlakshmi Pandey)

विषय - संस्कृत व्याकरण

पाठ - 6 पेज - 39

प्रश्न 3.
उत्तर (III) नपुंसकलिङ्ग :- जिससे निर्जीव पदार्थों का बोध हो उसे नपुंसलिंग कहते हैं जैसे — पुष्पम्, पुस्तकम् आदि।

प्रश्न - 4. पुरुष की परिभाषा देते हुए उनके तीनों भेद उदाहरण सहित लिखें।

उत्तर - पुरुष :- वे व्यक्ति जो संवाद के समय भागीदार होते हैं उन्हें पुरुष कहा जाता है। जैसे :- मेरा नाम राम है। इस वाक्य में वक्ता अपने बारे में बता रहा है। वह इस संवाद में भागीदार है, एवं श्रोता भी।

संस्कृत में पुरुष तीन होते हैं।

(I) प्रथम पुरुष (II) मध्यमपुरुष

(III) उत्तमपुरुष।

Scanned with CamScanner

Assignment - IV

इम्मानुएल - स्कूल मोतिहारी

कक्षा - VIII (Rajlakshmi Pandey)

विषय - संस्कृत व्याकरण

पाठ - 6 पेज - 40

प्रश्न - 4.

उत्तर :- (I) प्रथम पुरुष :- इसके अन्तर्गत अस्मद् युष्मद् को छोड़कर समस्त संज्ञा और सर्वनाम आ जाते हैं। जैसे :- बालक:, महिला, पुस्तकम्, सः, इयम्, कः इत्यादि।

(II) मध्यम पुरुष :- इसमें केवल युष्मद् शब्द के रूप ही प्रयुक्त होते हैं। जैसे - त्वम्, युवाम्, यूयम्

(III) उत्तम पुरुष :- इसमे केवल अस्मद् शब्द के रूप ही प्रयुक्त होते हैं।

जैसे - अहम्, आवाम्, वयम्।

Scanned with CamScanner

Assignment - IV

इस्मानूएल - स्कूल मितौली
कक्षा - VIII (Rajlakshmi Pandey)
विषय - संस्कृत व्याकरण

पाठ - 6 पेज - 40

प्रश्न : 5. काल किसे कहते हैं उनके भेद उदाहरण सहित लिखें।

उत्तर काल :- जिससे क्रिया का सामयिक बोध (जाना) हो उसे काल कहते हैं।

काल के तीन भेद होते हैं।

(I) वर्तमान काल (II) भूतकाल
(III) भविष्यत् काल

(I) वर्तमानकाल :- जिससे पता चले कि कार्य अभी हो रहा है तो उसे वर्तमान काल कहते हैं। जैसे, त्वम् पठसि आवां गच्छाव: इत्यादि।

(II) भूतकाल - जो बीते कार्यों को बताता है, उसे भूतकाल कहते हैं जैसे - स: गत: त्वम् अलिखः आदि।

(III) भविष्यत् काल - जिससे पता चले कि कोई कार्य आगे होने वाला है, उसे भविष्यत् काल कहते है, जैसे - तौ गमिष्यत: आदि।

Scanned with CamScanner

Assignment – (iv) इम्मानुएल – स्कूल मोतिहारी

कक्षा – VIII (Rajlakshmi Pandey)

विषय – संस्कृत व्याकरण

पाठ – 6 पेज – (37 से 41)

प्रश्न 6. कारक किसे कहते हैं? उनके कितने भेद होते हैं? उनके नाम लिखें।

उत्तर :- कारक :- क्रिया से जिसका लगाव रहता है, उसे कारक कहते हैं।

जैसे – रामः गृहे पुस्तकं पठति।

अहं पुष्पं पश्यामि।

संस्कृत में कारक छह होते हैं।

(I) कर्ता

(II) कर्म

(III) करण

(IV) सम्प्रदान

(V) अपादान

(VI) अधिकरण

Scanned with CamScanner

Assignment (iv) ज्ञानानुभव - स्कूल मोतिहारी
कक्षा - VIII (Rajlak Shmi Pandey)
विषय - संस्कृत रीडर (पाठ्य-पुस्तक)
पाठ - 4. (जलवाहिनी - विशेष्य - विशेषण प्रयोग:)
पेज - (15 से 18)

प्रश्न 1. समानं विकल्पं चिनुत।

(क) गृहे विलापिष्यति

उत्तर - (i) बाल:

(ख) इमान् नूपुरस्वान् रुनंझुन आकर्ण्य नागरिका: -

उत्तर :- (iii) जागरिष्यन्ति

प्रश्न 2. विशेषणपदै: सह विशेष्यपदानां मेलनं कुरुत।

उत्तर :- विशेषणपदानि विशेष्य पदानि

(क) कियत् III कालम्

(ख) स्थूल: IV विडाल:

(ग) आर्द्रम् V वसनम्

(घ) इमान् I नूपुरस्वान्

(ङ) शुष्क: (II) कूप:

Scanned with CamScanner

Assignment - IV इम्मानुएल - स्कूल मोतीहारी

कक्षा - VIII (Raj lakshmi Pandey)

विषय - संस्कृत रीडर (पाठ्य-पुस्तक)

प्रश्न 3. समानार्थक पदानि लिखत ।

उत्तर :- (क) बटः - मटूकः (ख) सलिलम् - नीरम्

(ग) बालम् - बालकम् (घ) गृहम् - भवनम्

(ङ) द्रुतम् - शीघ्र

प्रश्न 4. अधोलिखितानां पदानां लिंगं, विभक्तिः वचनं च लिखत ।

पदम्	लिंगम्	विभक्तिः	वचनम्
(क) गृहे	—	—	—
(ख) रात्रिम्	—	—	—
(ग) कोलाहलाः	—	—	—
(घ) तले	—	—	—
(ङ) सलिलम्	—	—	—
(च) करे	—	—	—

Assignment - IV इस्मालरल - स्कूल मोतिहारी

कक्षा - VIII (Rajlakshmi Pandey)

विषय — संस्कृत रीडर (पाठ्य-पुस्तक

पाठ - 4 पेज — (17, 18)

5. प्रश्न :- सन्धिविच्छेदं कुरुत ।

(क) कियत्कालम् = कियत् + कालम्

(ख) भवेदार्द्रम् = भवेद् + आर्द्रम्

(ग) तस्यास्ति = तस्या + अस्ति

(घ) शनैर्यदि = शनैः + यदि

(ङ) महालंबस्तले = महालंबः + तले

(च) शय्यामधिशयानाम् =

6. प्रश्न :- रिक्तस्थानानि पूरयत ।

(क) शनैर्यदि यामि चिररात्राय

विलपिष्यति गृहे बालः ।

द्रुतं यदि यामि वसनं मे

भवेदार्द्रं सलिल वेगैः ।

(ख) तनुः कूपो महालंबः

स्थले तस्यास्ति पानीयम् ।

क्षामन्त्या मे घटं रज्ज्वा

करेऽस्पार्स्ते महास्फोटः ।

(Rajlakshmi Pandey) इम्मानुएल-स्कूल मोतिहारी

Assignment - 1

कक्षा - VIII

विषय - संस्कृत रीडर

(पाठ्य-पुस्तक)

खंड : क - मुख्यपाठः

वंदना

पेज - (3, 4)

प्रश्न 1. शब्दार्थ कॉपी-कार्य करके याद करना है।

प्रश्न 2. वंदना हिन्दी अर्थ सहित याद करना है।

Scanned with CamScanner

इम्मानुएल-स्कूल मोतिहारी

Assignment- 2

कक्षा - VIII (Rajlakshmi Pandey)

विषय - संस्कृत रीडर (पाठ्य-पुस्तक)

पाठ 2. ~~घर्मे~~ घर्मे धमनं पापे पुण्यम् — ऋकारान्त स्त्रीलिंग:

पेज — (5 से 9)

प्रश्न :- पाठ-2 का शब्दार्थ कॉपी-कार्य करके याद करना है।

प्रश्न 1. सम्यक् विकल्पं चिनुत (सही विकल्प चुनिए)

(क) कश्चित् चञ्चलो नाम आसीत् —

उत्तर :- (i) व्याघ्र:

(ख) अन्यस्मिन् दिवसे प्रातः काले चञ्चलः गतवान् —

उत्तर — (i) वनम्

(ग) घर्मे भवति —

(i) धमनम्.

(घ) अनारतं क्रन्दनेन व्याघ्रः अभवत् —

(ii) श्रांत:

Scanned with CamScanner

इमानुएल-स्कूल मोतिहारी

Assignment-2 कक्षा-VIII (Rajlakshmi Pandey)

विषय- संस्कृत रीडर (पाठ्य-पुस्तक)

पाठ - 2 पेज - 8

प्रश्न 2. मञ्जूषात चित्वा समुचितपदेन रिक्त-स्थानानि पूरयत ।

उत्तर :- एकस्मिन् वने एकः वृद्धः व्याघ्रः आसीत् । सः एकदा व्याधेन विस्तारिते जाले बद्धः अभवत् । सः बहुप्रयासं कृतवान् किंतु जालात् मुक्तः नाभवत् । अकस्मात् तत्र एकः मूषकः समागच्छत् । बद्धं व्याघ्रं दृष्ट्वा सः तम् अवदत् - "अहो ! भवान् जाले बद्धः । अहं त्वां मोचयितुम् इच्छामि ।" तच्छ्रुत्वा व्याघ्रः साट्टहासम् अवदत् "अरे ! त्वं क्षुद्रः जीवः मम सहाय्यं करिष्यसि ।" यदि त्वं मां मोचयिष्यसि तर्हि अहं त्वां न हनिष्यामि । मूषकः स्वकीयैः लघुदंतैः तज्जालं कर्तनम् कृत्वा तं व्याघ्रं बहिः कृतवान् ।

Scanned with CamScanner

Assignment - 2 इस्मानुएल - स्कूल मोतिहारी (Rajlakshmi Pandey)

कक्षा - VIII

विषय - संस्कृत रीडर (पाठ्य-पुस्तक)

पाठ - 2 पेज - 8

प्रश्न 3. कः कस्मात् अवदत्? (किसने किससे कहा?)

	कः	कस्मात्
(क) "जनाः मयि स्नानं कुर्वन्ति।"	—	—
(ख) "कल्याणं भवतु ते।"	—	—
(ग) "यत्र कुत्रापि छेदनं कुर्वन्ति।"	—	—
(घ) "मानवाः अस्माकं छायायां विरमन्ति"	—	—
(ङ) "माम अपि विज्ञापय।"	—	—

प्रश्न 4. संधि कुरुत। (संधि कीजिए)

उत्तर - (क) कुत्र + अपि = कुत्रापि

(ख) बुभुक्षितः + अस्मि = बुभुक्षितोऽस्मि

(ग) मृग + आदीनाम् = ~~मृगादीनाम्~~ मृगादीनाम्

(घ) तथा + एव = तथैव

(ङ) नि + अवेदयत् = न्यवेदयत्

(च) प्र + अविशत् = प्राविशत्

Scanned with CamScanner

Assignment – 2

इम्मानुएल स्कूल मोतिहारी

(Rajlakshmi Pandey)

कक्षा – VIII

विषय – संस्कृत रीडर (पाठ्य-पुस्तक)

पाठ – 2 पेज – 9

प्रश्न – 5. हिंदीम् अनुवादं कुरुत। (हिन्दी अनुवाद कीजि

उत्तर :- (क) आसीत् कश्चित् चञ्चलो नाम व्याधः।

कोई चंचल नाम का शिकारी था।

(ख) कल्याणं भवतु ते।

तुम्हारा कल्याण हो।

(ग) इदानीम् अहम् त्वां खादिष्यामि।

इससमय (अब) मैं तुम्हें खाऊँगा।

(घ) त्वं जालं प्रसारय।

तुम जाल फैलाओ।

प्रश्न 6. संस्कृते अनुवादं कुरुत। (संस्कृत में अनुवाद कीजि

(क) बाघ मुझे खा जाएगा। व्याघ्रः माँ खादिष्यति।

(ख) अरे मनुष्य! मैं प्यासा हूँ। भो मानव! अहम् पिपासुः।

(ग) तुमने झूठ बोला। त्वया मिथ्या भणितम्।

(घ) लोग मुझमें स्नान करते हैं। जनाः मयि स्नानं कुर्वन्ति।

(ङ) तुम सत्य बोलते हो। त्वया सत्यं भणितम्।

Scanned with CamScanner

Assignment-3 एम्मानुएल स्कूल मोतिहारी

कक्षा-VIII (Rajlakshmi Pandey)

विषय = संस्कृत रीडर (पाठ्य-पुस्तक)

पाठ = 3. प्रेमलस्य प्रेमल्याश्च कथा = उपसर्गाः प्रत्ययाश्च

पेज - (10 से 14)

प्रश्न:- पाठ-3 का शब्दार्थ कॉपी-कार्य करके याद करना है।

प्रश्न 1. सम्यक् विकल्पं चिनुत। (सही विकल्प चुनिए)।

(क) काष्ठच्छेदेन श्रांतः प्रेमलः गृहमागच्छत् -

उत्तर :- (ii) सायंकाले

(ख) अहं स्नात्वा उष्णं जले स्थापयामि -

उत्तर :- (i) चरणौ

(ग) अधुना हंडीं स्थापय -

उत्तर :- (iii) स्नानगृहे

(घ) अत्र कस्य

उत्तर :- (i) आलस्यम्

X

Assignment-3

इस्मानुरस्ल - स्कूल मोतिजारी

कक्षा - VIII (Rajlakshmi Pandey)

विषय - संस्कृत रीडर (पाठ्य - पुस्तक)

पाठ - 3 पेज - (१२,13)

प्रश्न २. रिक्तस्थानानि पूरयत (रिक्त स्थान भरिए)

उत्तर :- (क) एक: आसीत् प्रेमल एका चासीत् प्रेमली ।

(ख) मह्यम् जलं उष्णं कृत्वा देहि ।

(ग) यावत् चुल्ली सम्यक् न ज्वलति, तावत् फूत्कुरु किमन्यत् ?

(घ) अरे, कीदृशं कृष्णमिव शरीरं भद्र जातम् ।

(ङ.) अस्तु ! संप्रति आवां भोजनं कर्व: ।

Assignment-3 [illegible] स्कूल मोतिहारी

कक्षा - VIII (Rajlok Shmit Pandey)

विषय - संस्कृत रीडर (पाठ्य-पुस्तक)

पाठ - 3 पेज - 13

प्रश्न 3. अधोलिखितानां पदानाम् उपसर्गं चित्वा पृथक् कुरुत।

पदम्	उपसर्गम्	मूलशब्दम्
(क) अपगमिष्यति	—	—
(ख) अस्वीकुर्याम्	—	—
(ग) अवातारयत्	—	—
(घ) संस्पृश्य	—	—
(ङ) प्रभास्थानम्	—	—
(च) संप्रति	—	—

4 प्रश्न - मञ्जूषात् समानार्थकपदानि चित्वा लिखत।

(क) यच्छसि ददासि (घ) शरीरम् तनुः

(ख) स्थापयित्वा संस्थाप्य (ङ) सांप्रतम् अधुना

(ग) करेण हस्तेन

(घ) वदति कथयति

(ङ) पार्श्वे निकटे

(च) कुसुमम् पुष्पम्

Scanned with CamScanner

Assignment-3 इम्मानुएल-स्कूल मोतिहारी (Rajaksthan Road)

कक्षा - VIII

विषय - संस्कृत रीडर (पाठ्य-पुस्तक)

पाठ - 3 पेज - 14

प्रश्न: 7. हिंदीम् अनुवादं कुरुत।

(क) प्रेमल: सायंकाले गृहमागच्छत्।

उत्तर :- प्रेमला शाम के समय घर आया।

(ख) तत्र डंडी उपरि स्थापिता

उत्तर :- वहाँ डाँडी ऊपर ही रखी है।

(ग) डंडीम् अवतारय।

उत्तर :- डाँडी उतारो।

(घ) कीदृशं पुष्पमिव शरीरं लघु जातम्।

उत्तर :- शरीर फूल के समान जैसा हलका हो गया है।

(ङ) आलस्यं तु मध्येव

उत्तर - आलस तो मुझे है।

Scanned with CamScanner

Assignment – 3 इम्मानुएल – स्कूल मोतिहारी

कक्षा – VIII (Rajlakshmi Pandey)

विषय – संस्कृत रीडर (पाठ्य-पुस्तक)

पाठ – 3 पेज – 14

प्रश्न – 8. संस्कृते अनुवादं कुरुत ।

(क) मेरी थकान दूर हो जाएगी ।

उत्तर :– मम श्रांतिः अपगमिष्यति ।

(ख) अब क्या करना है ?

उत्तर :– अधुना किम् करोमि ?

(ग) अब चूल्हे में लकड़ियों को जलाओ ।

उत्तर :– अधुना चुल्यां काष्ठानि प्रज्ज्वालय ।

(घ) इस समय स्नान करो ।

उत्तर – इदानीम् स्नानं कुरु ।

(ङ) आलस्य तो मुझे है ।

उत्तर :– आलस्यं तु ममैव ।

Scanned with CamScanner